हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ली कमिश्नर-कलेक्टर्स की वर्चुअल बैठक

मण्डला। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश संजीव कुमार झा ने बुधवार को प्रदेश के सभी संभाग आयुक्त तथा जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। उन्होंने प्रदेश में शुरू हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 (एसआईआर) के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वर्चुअल बैठक में मध्यप्रदेश के संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रामप्रताप सिंह जादौन, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजय श्रीवास्तव, श्रीमती सुरभी तिवारी एवं राजेश यादव ने एसआईआर के विषय में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। निर्वाचन आयोग द्वारा इस हेतु जारी टाइम लाईन का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मंडला एनआईसी से जिला निर्वाचन अधिकारी सोमेश मिश्रा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, सभी ईआरओ तथा एईआरओ शामिल हुए।

संकुल प्राचार्यों एवं बीईओ की समीक्षा बैठक संपन्न

मण्डला। जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत समस्त संकुल प्राचार्यों एवं सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविकास श्रीमती वन्दना गुप्ता ने विभागीय छात्रवृत्ति के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसके लिए ओटीआर रजिस्ट्रेशन, कक्षा 9वी से 12वी तक राज्य छात्रवृत्ति के अप्रूवल, सत्यापन एवं स्वीकृति करने की प्रक्रिया के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। सहायक आयुक्त ने कहा कि सभी संबंधित छात्रवृत्ति से जुड़ी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकृत करना सुनिश्चित कराएं।

भगवान सहस्त्रबाहु की प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास होगा-प्रभारी मंत्री

मण्डला की पहचान माहिष्मती के नाम से

*** सहस्त्रधारा में मनाई गई सहस्त्रबाहु जयंती।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सहस्त्रधारा में भगवान सहस्त्रबाहु जयंती पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके एवं कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल शामिल हुए। माँ नर्मदा के तट पर आयोजित इस आयोजन में इतिहासकारों एवं समाजजनों की उपस्थिति रही।

केबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि मंडला जिले की पहचान ऐतिहासिक रूप से माहिष्मती के नाम से रही है। यह जानकारी इतिहासकारों ने साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर दी है। वास्तविक इतिहास और प्रमाणिक जानकारी लोगों तक पहुँचना आवश्यक है। माँ नर्मदा के किनारे यह आयोजन होना अपने आप में अद्भुत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस क्षेत्र के विकास हेतु साढ़े तीन करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रभारी मंत्री जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज यहाँ उपस्थित इतिहास के जानकारों ने कल्चुरी समाज के गौरवशाली इतिहास का जो प्रतिपादन किया है वह अत्यंत सराहनीय है। यह सत्य है कि माहिष्मती क्षेत्र को जो सम्मान मिलना चाहिए था, उसे वह समय पर नहीं मिला। कैबिनेट मंत्री व मैं स्वयं मुख्यमंत्री से चर्चा कर उस सम्मान को पुनः दिलाने का प्रयास करेंगे। यहाँ भगवान सहस्त्रबाहु की विशाल प्रतिमा स्थापित करने का वचन भी उन्होंने दिया। उन्होंने कहा कि हम कल्चुरी वंश से जुड़े हैं। सर्वाधिक शासन इसी वंश का रहा है। इस गौरवशाली इतिहास को हमें अपने बच्चों और युवा पीढ़ी को बताना होगा। बच्चों को अच्छे संस्कार और शिक्षा देना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा पर्यटन की दृष्टि से मंडला-डिंडोरी में अपार संभावनाएँ हैं। इसे पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। फॉसिल्स पार्क की पहचान देश-दुनिया में है और मैकल पर्वत क्षेत्र पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। सहस्त्रधारा को धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय सिंह कुशराम ने सहस्त्रबाहु जयंती पर समाजजनों द्वारा भव्य कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कल्चुरी समाज के ओमप्रकाश चौकसे, वीरेंद्र बर्मन, कौंतेय जायसवाल, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी रजत सकलेचा सहित गणमान्यजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा वैदिक गुरुकुल आश्रम में किया गया गोपाष्टमी का पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कल विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा मंडला में वैदिक गुरुकुल आश्रम में गोपाष्टमी कार्यक्रम मनाया गया जिसमें गौ माता का तिलक वंदन कर गौ माता को गुड फूटा अन्य पकवान खिलाए, एवं गौ माता का तिलक वंदन कर पूजन अर्चन किया गया।

गाय न केवल खेत और धरा को जीवन देती है, बल्कि मानव स्वास्थ्य का संरक्षण भी करती है। गाय का दूध, घी और गो-उत्पाद संपूर्ण पोषण का स्त्रोत हैं। गाय जहां रहती है वहां का वातावरण स्वतः शुद्ध और रोगमुक्त बना रहता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि गौ-सेवा में मानसिक शांति का अद्भुत प्रभाव होता है। गाय के पास रहने से तनाव, चिंता और कई मानसिक असंतुलन स्वतः समाप्त होने लगते हैं। यही कारण है कि गाय हमारे लिए किसान का संबल, रोगों की औषधि और पर्यावरण की रक्षा तीनों रूपों में कल्याणकारी है।

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व गायों की पूजा और गौ सेवा को समर्पित है। सनातन परंपरा में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, क्योंकि उसके शरीर में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना गया है। 2025 में गोपाष्टमी का पर्व 29 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जा रहा है। इस दिन गाय और बछड़ों की विधिवत पूजा की जाती है और गौ सेवा का विशेष महत्व होता है।

गोपाष्टमी का इतिहास और पौराणिक कथा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यावस्था में गौचारण यानी गाय चराने का कार्य आरंभ किया, उसी दिन को गोपाष्टमी कहा गया। इस दिन श्रीकृष्ण और बलराम ने नंद बाबा से अनुमति लेकर पहली बार गायों को वन में चराने के लिए ले गए थे। गाय चराने की इस लीला ने गोपालक श्रीकृष्ण के जीवन का नया अध्याय खोला और तभी से यह पर्व "गोपाष्टमी" कहलाया। इस प्रकार गौ माता को लेकर बहुत सारी पौराणिक कथाओं में भी उल्लेख है इस कार्यक्रम में संगठन के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय में विजिलेंस क्विज कंपटीशन 2025 का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत दिनांक 29 अक्टूबर, 2025 दिन बुधवार को श्रीमती सविता बुंदस, प्रधान आयकर आयुक्त 1, जबलपुर के मार्गदर्शन में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जिला मंडला में विजिलेंस क्विज कंपटीशन 2025 का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को चॉकलेट्स एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। विद्यालय के प्राचार्य आर. एस. उलाड़ी एवं मनोज हरदा सर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। शासकीय महिला महाविद्यालय जिला मण्डला में महेश कुमार शुक्ला, आयकर अधिकारी AU-1, जबलपुर छात्राओं को सतर्कता हमारी साझी जिम्मेदारी विषय पर चर्चा एवं विजिलेंस अवेयरनेस क्विज के माध्यम से विस्तार पूर्वक बताया गया एवं विकसित भारत के लक्ष्य में सतर्क एवं जागरूक विद्यार्थियों की भूमिका पर चर्चा की। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में शरद नारायण खरे प्राचार्य एवं डॉक्टर प्रदीप सोनी प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग एवं विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।नाइस कॉलेज ऑफ़ कंप्यूटर एजुकेशन, मण्डला में अनिल तिवारी, आयकर अधिकारी वार्ड 1 (1) जबलपुर द्वारा छात्र-छात्राओं को सतर्कता हमारी साझी जिम्मेदारी विषय पर चर्चा, सायबर सुरक्षा एवं विजिलेंस अवेयरनेस क्विज के माध्यम से विस्तार पूर्वक छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। साथ ही नाइस कॉलेज के संचालक अजय खोत ने भी सायबर सुरक्षा, सतर्कता ओर बचाव संबंधी सुझाव बच्चो को दिए। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में मलय दुबे एवं स्टाफ का सहयोग प्राप्त हुआ। परिचर्चा के दौरान विजिलेंस अवेयरनेस क्विज के प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं चॉकलेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर धीरेंद्र वासनिक आयकर निरीक्षक, अजय कुमार आयकर निरीक्षक, अजहर शादाब स्टेनो उपस्थित रहे।

जिले के समस्त मैगजीन लाइसेंस धारकों एवं संचालकों की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दिनांक 28/10/2025 को पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा की अध्यक्षता में जिले के सभी मैगजीन लाइसेंस धारकों एवं संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेट्रोलियम एवं सुरक्षा संगठन (PESO) द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों के पालन को सुनिश्चित करने संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश- विस्फोटक नियम 2008 एवं PESO द्वारा जारी गाइडलाइन का पूर्ण पालन किया जाए। मैगजीन संचालन एवं विस्फोटक भंडारण कार्य चेकलिस्ट के अनुसार ही किया जाए। मण्डला जिला नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने से विस्फोटकों के क्रय-विक्रय एवं परिवहन में विशेष सावधानी बरती जाए। अनधिकृत व्यक्तियों को किसी भी स्थिति में विस्फोटक सामग्री प्राप्त या हस्तांतरित न की जाए। सभी मैगजीन संचालक अपने मैगजीन का नियमित स्वंय निरीक्षण करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना स्थानीय थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी जाए।

बैठक में सभी मैगजीन धारकों की अनुज्ञप्तियाँ (लाइसेंस) प्राप्त कर जांच एवं सत्यापन किया गया। बैठक में मैगजीन संचालकः संदीप गुप्ता, शैलेन्द्र गुप्ता, सीता गुप्ता, अदनान कपाड़िया, नितिन खासकलम, हजिन्दर सिंह गुजराल मैगजीन प्रबंधक (मैनेजर) राज पाठक, प्रदीप झारिया, शिव मिलन झारिया उपस्थित रहे।

लोकार्पण | **संवेदनशीलता से समय पर हो राजस्व विवादों का त्वरित निपटारा-केबिनेट मंत्री।**

यह सामान्य नहीं, न्याय का भवन है-जायसवाल

*** नैनपुर में 11 करोड़ की लागत से निर्मित कार्यालय का लोकार्पण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

11 करोड़ 6 लाख रुपये की लागत से नैनपुर में नवनिर्मित संयुक्त अनुविभागीय राजस्व कार्यालय भवन का लोकार्पण कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगातार विकास कार्यों की सौग़ातें दी जा रही हैं, उन्हीं में से यह भवन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री जायसवाल ने कहा कि यह मात्र एक साधारण भवन नहीं, बल्कि "न्याय का भवन" है। जमीनी विवाद वर्षों तक चले तो विकास कार्य प्रभावित होते हैं, इसलिए मेरी राजस्व विभाग से अपेक्षा है कि वह पूर्ण संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ समयबद्ध रूप से राजस्व मामलों का निराकरण कर लोगों को न्याय दिलाए।

मंत्री श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में चलाए गए राजस्व महाअभियान के तहत राजस्व न्यायालयों में लंबित नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन आदि के प्रकरणों का त्वरित निपटारा किया गया। इससे प्रदेश में लाखों राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण संभव हुआ है।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने यहां मौजूद लोगों को बधाई देते हुए कहा कि नए भवन से राजस्व सेवाएँ एक ही परिसर में उपलब्ध होने से आमजन को समय, श्रम एवं व्यय तीनों की बचत होगी और कार्यालयीन कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पहले राजस्व कार्यालय पुरानी और छोटी सी बिल्डिंग में संचालित होता था। सभी के सहयोग से यह भवन की सौगात आज नैनपुर को मिली है। इस राजस्व भवन के बन जाने से नैनपुर की 74 ग्राम पंचायतों के लगभग दो लाख लोगों को लाभ मिलेगा। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि जिले के प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल का नैनपुर पहली बार आगमन हुआ है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभारी मंत्री आगे भी जिले के अन्य विकासखंडों में आकर अपना आशीर्वाद देंगे।

कार्यक्रम के पहले अतिथियों द्वारा इस भवन का अवलोकन भी किया गया।

भवन का निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति 28 दिसंबर 2022 को हुई। लागत राशि 1106.78 लाख रुपए, निर्माण एजेंसी कार्यपालन यंत्री (भवन), लो.नि.वि. मण्डला, ठेकेदार का नाम - मे. ए.पी. कंस्ट्रक्शन कम्पनी मुरैना, फर्नीचर कार्य (नॉन एसओआर) - 92.57 लाख रुपए, (नॉन एसओआर) विद्युत 21.53 लाख रुपए, बिल्टअप एरिया - 3630 वर्ग मी., भवन में प्रावधान - भूतल एस.डी.एम न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय, सब रजिस्ट्रार कार्यालय, मालखाना, पूछताछ कक्ष, प्रथम तल पर अतिरिक्त तहसीलदार न्यायालय, नायब तहसीलदार न्यायालय, मीटिंग हॉल, रिकार्ड रूम, सब ट्रेजरी कार्यालय और द्वितीय तल पर पटवारी हॉल, 3 नग आर.आई. कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, मल्टीपर्पस हॉल एवं स्टोर रूम बनाया गया है।

अपाक्स के ज्ञापन के बाद जिला कलेक्टर के आदेश पर हीरेन्द्र वर्मा को नैनपुर बीईओ बनाया गया

*** नवनियुक्त बीईओ का शिक्षक संगठनों ने किया जोरदार स्वागत सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विगत कुछ महीनों से नैनपुर ब्लाक के सभी शिक्षक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली से बहुत परेशान थे। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, अपाक्स आदि शिक्षक संगठनों ने की बार नैनपुर बीईओ कार्यालय के बीईओ और बाबू के लापरवाही पूर्ण रवैया की शिकायत सहायक आयुक्त मंडला को की गई, लेकिन शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। आखिरकार अपाक्स, ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, एनएमओपीएस संगठन ने विगत दिनों जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए नैनपुर बीईओ और बाबू की शिकायत करते हुए ज्ञापन सौंपा। जिला कलेक्टर ने तुरंत सहायक आयुक्त को बुला कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और उच्च माध्यमिक शिक्षक हीरेन्द्र वर्मा को नैनपुर बीईओ बनाने का निर्देश दिया। आदेश के आधार पर हीरेन्द्र वर्मा ने नैनपुर बीईओ कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। जहां शिक्षक संगठनों ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित सेवानिवृत्त प्राचार्य अखिलेश चंद्रोल ने नवनियुक्त बीईओ को शिक्षकों के हित एवं शिक्षा गुणवत्ता के लिए कार्य करने को प्रेरित किया, वहीं नारायणगंज बीईओ डी के सिंगौर ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि क्रमोन्नति आदि में एक साथ हुए आदेश की सूची अनुसार सभी शिक्षकों को एक साथ अनुमोदन, एरियर आदि का भुगतान कराने पर ध्यान दिया जाए, ताकि बाबूओं द्वारा किए जाने वाले भेद-भाव और लेन-देन का आरोप नहीं लगेगा। साथ ही उन्होंने प्राथमिक शिक्षा में सुधार के लिए स्कूलों का ग्रेड तैयार कर, उनके ग्रेड में सुधार के लिए कार्य किया जाए। शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विवेक शुक्ला एवं ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिलीप मरावी ने भी नवनियुक्त बीईओ को शुभकामनाएं दी। पदस्थ बीईओ सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी ने नवनियुक्त बीईओ को शुभकामनाएं देते हुए हाई कोर्ट की प्रक्रिया का जिक्र किया। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के ब्लाक अध्यक्ष और कार्यक्रम के संचालक अमरसिंह चंदेला ने नवनियुक्त बीईओ से शिक्षकों की एरियर आदि की समस्त समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने अनुरोध किया।

खबर संक्षेप

सांईखेड़ा में लग रहे जाम को लेकर उदासीनता बरत रहा प्रशासन, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा को जहां ग्राम पंचायत से नगर पंचायत व तहसील का दर्जा मिल जाने के कारण अब इस कसबा ने बड़ा रूप धारण तो कर ही लिया गया है, वही यहां से प्रदेश स्तर के मार्ग का निर्माण होने के बाद स्थिति इस प्रकार से हो गई है कि अब इस क्षेत्र से बड़े वाहन निकल रहे है, क्योंकि मार्ग का नगर के अंदर से निकलने का यह परिणाम है कि आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता चला जा रहा है, वही नगर के अंदर से निकले हुए मार्ग चलते जहां आये दिन जाम की स्थिति निर्मित तो हो ही रही है, इतना ही नही यहां से बड़े वाहनों के 24 घंटे निकलने से आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरे के घंटी भी बजते हुए देखी जा रही है? क्योंकि जब से सांईखेड़ा उदयपुरा जाने वाले मार्ग के बीच नर्मदा नदी पर पुल का निर्माण हुआ है उस समय से यहां से जिस प्रकार के वाहन गुजर रहे है उसके कारण इन वाहनों का नगर के मध्य से निकलना खतरे से खाली नही है? क्योंकि इसी मार्ग पर जहां तहसली कार्यालय पड़ता है। वही दूसरी ओर जनपद कार्यालय होने के साथ साथ साप्ताहित बाजार भी सड़क किनारे लगने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए आये दिन खतरा साबित हुए हुये जान पड़ रहे है। इतना ही नहीं इस सड़क से इस प्रकार से बड़े वाहनों के निकलने के कारण सड़कों की दुर्गति भी होते हुए देखी जा रही है?

जरूरी सुविधाओं के लिये जूझ रहे बोहानी रेल्वे स्टेशन पर विभाग की मनमानी ने यात्रियों की जिन्दगी को डाला खतरे में

प्लेट फार्म के पास खड़ी मालगाड़ी के चलते पार करना हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी

जहाँ एक ओर केन्द्र सरकार द्वारा क्षेत्र में अनेक प्रकार की रेल सेवायें देकर वाह वाही लूटी जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जाये तो तेंदूखेड़ा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एक मात्र रेल्वे स्टेशन सिहोरा बोहानी लगातार उपेक्षा की शिकार होकर अपनी बदहाली पर आँसू बहा रही है। इस रेल्वे स्टेशन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बोहानी रेल्वे स्टेशन जिस पर पैसेन्जर के अलावा एक्सप्रेस के नाम पर बीना गाड़ी व फास्ट पैसैन्जर मात्र रूकती थी। मगर कोरोना काल से वह भी बंद होने के कारण मोमो रेल तो मिली है। मगर वह गरीबों के लिये कोई लाभ नही पहुंचा पा रही हे। क्योंकि गरीबों के लिए सबसे ज्यादा उपयोग आने वाली शटल बीते हुये कई वर्षो से बंद होने के चलते जहां क्षेत्रवासी परेशान होते हुए देखे जा रहे है। जबकि इस क्षेत्र की जनता ने यहां के नेताओं को भोपाल से लेकर दिल्ली की कुर्सी तक पहुंचाने के लिए अपना योगदान देने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। मगर इसके बाद भी बोहानी रेल्वे स्टेशन जो जरूरी सुविधाओं के लिये जूझते जिम्मेदारों की अनदेखी को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। इ इस सच्चाई को लेकर लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि बोहानी तेदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में मात्र एक ही रेल्वे स्टेशन है और इस रेल्वे स्टेशन से ग्राम सिहोरा, ठुटी, महँगवाँ, अजंसरा, बुधवारा, खुलरी, बिलौनी, मुड़िया, भौरझिर, घघरौला, पटना, लिंगा, सूरना, करहैया, सलैया, देगुवाँ, तिगुवाँ, रहली, ढाड़िया, मरका, चिरचिरा, पुरगवाँ, मनकवारा, बम्हौरी, पनारी, नरसरा, टेकापार, घौखेड़ा सहित अनेक ग्रामों के लोगों को यदि जबलपुर जाना है तो वह बोहानी रेल्वे स्टेशन से ही यात्रा करते हैं। मगर यहां पर छोटी एक ट्रेन के आलवा अन्य कोई दूसरी ट्रेनों के स्टाप नही होने के कारण यदि कोई यात्री छोटी गाडी चूक गया तो फिर उसे कोई साधन नही रहता है। कम से कम जनता एक्सप्रेस ही रूकने लगती तो शायद इस क्षेत्र के लिये एक बड़ी उपलब्धि बन सकती थी..? इस तरह मात्र चंद छोटी ट्रेनों के भरोसे अपने इतिहास को समेटे हुये बोहानी रेलवे स्टेशन पर इस समय रेल विभाग के अधिकारियों की मनमानी का परिणाम है कि यहां पर यात्री अपनी जान जोखिम में डालते हुये यात्रा करने के लिये मजबूर होते हुये आसानी से देखे जा सकते है। बताया जाता है कि इस रेल्वे स्टेशन से यात्रियों को एक प्लेट फार्म से दूसरे प्लेट फार्म पर जाने के लिये कोई पैदल पुल की व्यवस्था तो है नही इस स्थिति में वह पैदल पटरी पार करते हुये एक ओर से दूसरी ओर आते जाते है। मगर रेल विभाग द्वारा बीते हुये कुछ दिनों से एक माल गाड़ी को प्लेट फार्म के समीप खड़ा किये जाने के चलते अब रेल यात्रियों को दूसरे प्लेट फार्म पर पहुंचने के लिये माल गाड़ी के नीचे से खुलककर निकलने की मजबूरी बन गई है। इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी का सामना महिला व वृद्व यात्रियों का करना पड़ रहा है। जबकि देखा जावे तो इस रेल्वे स्टेशन से न तो कभी माल की लोडिंग होती है और न ही अनलोडिंग की व्यवस्था है। मगर इसके बाद भी आये दिन यहां पर माल गाड़ी को खड़ा करना रेल विभाग की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है..? इस प्रकार से देखा जावे तो बोहानी रेल्वे स्टेशन से जबलपुर की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक होती है जिसमें मरीज शामिल होते है। वही शाम के वक्त जबलपुर से इटारसी की ओर जाने वाली ट्रेनों से वापिस होते है। इस प्रकार से जबलपुर से आने वाली ट्रेने रेल्वे स्टेशन के मुख्य प्लेट फार्म की ओर खड़ी होती है और सिहोरा ग्राम दूसरे प्लेट फार्म की ओर बसा होने के चलते जब रात को ट्रेन आती है उस दौरान अंधेरा होने के दौरान रेल यात्रियों को प्लेट फार्म पर खड़ी हुई मालगाडी के नीचे से निकलना जहां मुश्किल होने के साथ साथ दुर्घटनाओं के लिये आमंत्रण देने से नही चूक पाती है। इस दौरान महिला यात्रियों के साथ साथ वृद्व व मासूम बच्चों के लिये खतरे से खाली साबित होने से नही चूक पा रहा है..? इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस तरह बीते हुये महिनों से माल गाड़ी को बोहानी रेल्वे स्टेशन खड़ा किया जाना आम बात बन चुकी है। इस तरह रेल विभाग की मनमानी के चलते रेल यात्रियों को अपनी जान जोखिम में डालते हुये यात्रा करने की मजबूर बन चुकी है। इस प्रकार रेल विभाग के रिकार्ड में बोहानी के नाम से दर्ज यह रेल्वे स्टेशन जहां अनेक जरूरी बुनियादी सुविधाओं के चलते किसी तरह क्षेत्र के लोगों के लिये चंद गाडियों की यात्रा करा रहा है। मगर अब रेल विभाग के रवैये ने उन चंद सुविधाओं पर भी जिस तरह ग्रहण लगाया जा रहा है वह चिंता जनक बनने से नही चूक पा रहा है..? इस सबके बाद क्षेत्र के लोग हैरत में इस सच्चाई को देखते हुये पड़ने से नही चूक पा रहे है कि जिले की अन्य रेल्वे स्टेशनों को जहां सरकार द्वारा नई नबेली दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। वही दूसरी ओर तेंदूखेड़ा विधान सभा क्षेत्र की एक मात्र रेल्वे स्टेशन के प्रति इस तरह का सौतेला व्यहार समझ परे होते हुये दिखाई देने लगा है।

चोरों ने दिनदहाड़े पार की मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में बाइक चोरी की घटनाओं को चोरों द्वारा जिस तरह अंजाम दिया जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद इनके दिलों में पुलिस की दहशत पूर्णरूप से समाप्त हो चुकी है। क्योंकि गुप्त केमरों से सुसज्जित शहर में बाइक चोर खुलेआम दिन दहाड़ वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इनके कारनामों की सच्चाई गुप्त केमरों में केंद होने के बाद भी पुलिस की पकड़ से बाहर होना चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? इस तरह नगर में आये दिन घटित हो रही चोरी की घटनाओं की खबरे मिलना आम बात होती जा रही है। कुछ दिनों पहले नगर के हृदय स्थल ठंडा चौक के पास शुक्रवारा बजरिया में चोरी की बारदात हुई जिसमें तीन, चार दुकाने के ताले तोड़कर अज्ञात चोर सामान चुराकर ले थे। इसके बाद अब बाइक चोरी की घटनाओं में इजाफा होते हुये दिखाई देना शुरू हो गया है। बताया जाता है कि नगर के इंद्रा वार्ड चंद्रकेशर कालोनी के पास आई एफ सी क्षेत्र निवास करने वाले अजय ममार की हीरो एम. पी. 49 एम. आई. 8158 जो उनके घर के सामने खड़ी थी जिसे किसी अज्ञात चोरों द्वारा पार कर दिया गया। घटना को लेकर पीड़ित द्वारा पुलिस थाने में शिकायत की गई जिसके चलते पुलिस द्वारा आरोपियों की खोजबीन की जा रही है। मगर घटना को लगभग एक सप्ताह का समय बीतने के बाद भी कुछ पता नही चल पाया है।

पंचकुण्डीय रूद्र महायज्ञ व रूद्रि निर्माण का अयोजन 9 नवम्बर से

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र में आये दिन धार्मिक कार्योक्रमों की धूम मची हुई देखी जाती रहना आम बात हो चुकी है। इसी के चलते आने वाले 9 नवम्बर से 16 नवम्बर तक समीपस्थ रेशम केन्द्र रहमा के पास बेरखेडी हार में वन्दे मातरम आश्रम में भव्य पंचकुण्डीय रूद्र महायज्ञ एवं रूद्री निर्माण के साथ श्री शिव महापुराण सप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में कथा व्यास आचार्य श्री गौपीठाधीश्वर मंहत 108 विपिन बिहारी महाराज पधार रहे है। ज्ञात हो कि विपिन बिहारी महाराज द्वारा अपनी भाषा शैली के लिये एक अलग ही पहचान बनाई गई है और उनकी कथा के दौरान श्रोताओं की भीड़ उमड़ने से नही चूकती है। इसी प्रकार की हाल यहां पर दिखाई देने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। आयोजन के संबंध में बताया जाता है कि प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रूद्री निर्माण व अभिषेख का आयोजन होगा। वही दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक शिव पुराण की कथा सुनाई जावेगी। वही रात्रि 8 बजे से मानस प्रवचनों के आलवा 12 नवम्बर को भजन संध्या का आयोजन में कुलदीप यादव छतरपुर द्वारा प्रस्तुति दी जावेगी। इस महायज्ञ कार्यक्रम में यज्ञाचार्य पं. रामदर्शन दीक्षित संस्कृत पाठशाला सांईखेड़ा रहेगे। वही आयोजन का समापन 16 नवम्बर दिन रविवार को विशाल भण्डार प्रसादी के साथ होगा।

ससुराल आये हुये युवक की संदिग्ध स्थिति में गांव के पास नाले में पाई गई लाश

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

दीवाली उत्सव शांति पूर्वक संपन्न होने के बाद भले जी जहां तहां पर जुंआ फड जमने की खबर मिल रही है। मगर इस साल दीवाली के मौके पर क्षेत्र के किसी तरह से कोई बड़ी घटना सामने नही आने के कारण क्षेत्रवासियों के चेहरों में खुशी दिखाई दे रही थी। मगर इसी बीच जब बीते हुये मंगलवार को समीपस्थ ग्राम बोदरी के पास नाले में एक युवक की लाश पड़ी हुई देखी गई तो क्षेत्र में सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया तो दूसरी ओर अनेक प्रकार चर्चाओं का बाजार गर्म होते हुये दिखाई देने लगा।

इस तरह नाले में लाश पड़ी होने की सूचना जब पुलिस को मिली तो मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये तुरंत मौके पर पहुंचकर युवक के शव को नाले से बाहर निकलवाते हुये उसकी पहचान कराई जाने पर पता चला कि मृतक युवक समीपस्थ करेली पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम बटेसरा का निवासी शिब्बू कहार है। मृतक की पत्नी ने शव की पहचान करते हुये बताया कि वह दो दिन पहले अपनी ससुराल आया हुआ था और बीते हुये दिवस बगैर बताये जले जाने के बाद परिवार के लोगों ने खोजबीन किये जाने के बाद भी कही पता नही चला और इसके बाद गांव के पास ही एक नाले में लाश पाई गई है। इस तरह संदिग्ध स्थिति में पाई गई लाश को लेकर लोगों का कहना है कि मृतक के शरीर पर चोटो के निशान दिखाई दे रहे है यह बात कहा तक सत्य है इसे भगवान ही जाने..? इस संबंध में जब पुलिस से संपर्क किया गया तो नगर निरीक्षक विक्रम रजक का कहना है कि हमे सूचना मिली की ग्राम बोदरी के पास नाले में किसी युवक की लाश पड़ी हुई है तो हमारी टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक के शव का बाहर निकलवाने के बाद उसकी पहचान ग्राम बटेसरा निवासी शिब्बू कहार के रूप में की गई है। इस संबंध में मृतक की पत्नी का कहना है कि शिब्बू शराब पीने का आदि था। वही दूसरी ओर कुछ दिन पहले उसका एक्सीटेन्ड भी हुआ था जिसका इलाज चल रहा था। पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम करते हुये पोस्ट मार्टम कराने के उपरांत परिजनों को सौप दिया गया है। वही युवक की मौत को लेकर पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई जो अलग अलग बिंदुओं को ध्यान में रखते हुये जांच की जा रही है। वही पीएम रिर्पोट आने के बाद मौत के कारण भी स्पष्ट हो जावेगे उसी आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जावेगा।

देवी रूकमणी स्वयं लक्ष्मी का अवतार हैं - आचार्य शिवम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

श्रीमद्भागवत कथा हिंदू धर्म के प्रमुख ग्रंथों में से एक है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन उनके दिव्य लीलाओं और उनके द्वारा दिए गए उपदेशों का वर्णन है। बताया जाता है कि इस कथा का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी बहुत गहरा है। भागवत कथा हमें जीवन के उद्देश्य, धर्म, कर्म, भक्ति और मोक्ष का मार्ग बताती है। यह बात कथा वाचक आचार्य पं. शिवम दीक्षित द्वारा नगर के कुईया मोहल्ला पटेल वार्ड ओशो आश्रम के पास चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र से हमें एक आदर्श जीवन जीने की सीख मिलती है। भगवान की कथा सुनने से मन शुद्ध होता है और हृदय में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जीवन की समस्याओं और कष्टों के समाधान के लिए भागवत कथा का श्रवण करना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि भागवत में उन्होने देवी रुक्मिणी विवाह का प्रसंग तब आता है जब श्रीकृष्ण विदर्भ देश की राजकुमारी रूकमणी से विवाह करते हैं। देवी रूकमणी ने पहले ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान लिया था। लेकिन उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से तय कर दिया था। श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी को हरण कर द्वारका लाया और उनका विवाह संपन्न हुआ। कहते हैं कि रुक्मिणी स्वयं लक्ष्मी का अवतार हैं और उनका विवाह श्रीकृष्ण से हो गया। क्योंकि वह नारायण से दूर नहीं रह सकती थी विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी ने देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के गुणों और वीरता के बारे में सुनकर उन्हें अपना पति मान लिया था। रुक्मिणी ने एक ब्राह्मण के माध्यम से श्रीकृष्ण को संदेश भेजा कि वे उन्हें मंदिर से ले जाएं। जब रुक्मिणी पार्वती की पूजा के लिए मंदिर गईं, तो श्रीकृष्ण ने उनका हरण कर लिया कथा पंडाल में धर्म की अमृत वर्षा हो रही है ,भजनों पर भगवान श्री कृष्ण के भक्त आनंद के साथ भक्ति में लीन होकर कथा का श्रवण कर रहे हैं । आज 30 अक्टूबर भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की पूर्ण आहुति और समापन होगा।

आये दिन चीचली मार्ग रेल्वे गेट पर बन रही जाम की स्थिति, आमजन हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि चीचली ओर जाने वाले मार्ग पर नगर के रेल्वे स्टेशन के समीप बना हुआ गेट नगरवासियों को लगातार परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है। यह बात अलग है कि आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुये यहां पर ओवर ब्रज का निर्माण तो किया जा रहा है। मगर उसकी धीमी गति के चलते अनुमान लग रहा है कि शायद यह ब्रज शायद ही पांच साल के पहले निर्मित हो पाये यह संभव नही हो सकता है...? इस स्थिति में देखा जा रहा है कि एनटीपीसी के लिये लगातार आने वाले कोयला के चलते यहां पर ट्रेनों को आगे पीछे किये जाने के चलते दिन में अनेकों बार कई घंटों तक रेल्वे गेट बंद रहने से जाम की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पा रही है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को उस समय देखने मिली जब लगभग दो घंटे तक रेलवे गेट बंद रहने के कारण गेट के दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईने लगी हुई देखी गई और लोग चीचली की ओर जाने व वहां से आने के लिये परेशान होते हुये देखे गये।

खटिया बेचने पर परिवारजनों के बीच हुआ विवाद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर देखा जाता है कि एक भाई दूसरे भाई की मदद करने के लिये अपनी जान न्यौछावर करने में पीछे नही रहते है। मगर कुछ भाई इस तरह से होते है जो छोटी छोटी बातों को लेकर मारपीट करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बैरागढ़ में देखने मिली जहां पर खटिया बेचे जाने की बात को लेकर दो भाईयों के बीच मारपीट की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बैरागढ़ निवासी गोवर्धन पिता गनेश धानक उम्र 55 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे घर में मेरी लड़की की खटिया रखी हुई थी उसको मेरे लडका भगवत धानक ने बेच दी जो उसी के चलते भगवत धानक द्वारा गंदी गंदी गालिया देने लगा जिसको गाली देने से मनाया किया तो भगवत धानक द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अधिकारियों की उदासीनता के चलते कागजों में दबकर समाप्त हो जाती है शासन की अनेक योजनाएं.....?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। राज्य और केन्द्र शासन ने प्रदेश के विकास हेतु कई कल्याण कार्ययोजनाएं जनता के हितार्थ बना दी है कि उनकों अमलीजामा पहनाना संदिग्ध हो चला है कि योजनाओं का कितना क्रियान्वयन हुआ है और क्या उसमें कमी है। जिसको लेकर इसकी सूक्ष्मता से जांच जरूरी है..? क्योंकि कागजी आंकड़ों मे योजनाओं को सफल बता दिया जाता है, इसके लिए जिम्मेदार होते है नौकरशाह और अफसरशाही वर्ग जो कि नेताओं को गुमराह कर योजनाओं को नीतियों को सफल क्रियान्वयन होना तो बता देते है परंतु नतीजा शून्य ही होता है? जिस प्रकार से शासन द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान रखते हुये योजनाओं की झड़ी लगा दी परंतु योजनाओं की परिणति क्या हुई होगी, इसका अंदाजा पूर्व से लेकर अब तक ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि बने बैठे पार्टी के हम दर्दियों द्वारा ही प्रदेश के मुखिया की योजनाओं को किस प्रकार से क्रियान्वयन किया जा रहा है जो मात्र कागजों में तो दिखाई दे रही है, इसकी सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखने मिली सकती है। जहां पर कागजो पर तो पंचायत में विकास कार्यो की गाड़ी पूरी तप्तार से दौड़ रही है, मगर सच्चाई कुछ और ही है...? क्योंकि देखा जा रहा है कि प्रदेश मे पंचायतीराज, भ्रष्टाचार इर्ष्याद्वेष एवं भाई भतीजावाद के आधार पर चल रहा है,? पंचायतों के माध्यम से जिन योजनाओं के कार्य सौंपे जाते है उनमे सही एवं पात्र लोगों को लाभ न मिलकर अन्य लोगों को इसका लाभ मिल जाता है? जिन पंचायतों मे आदिवासी सरपंच है एवं महिला सरपंच है उनके कर्ताधर्ता उप सरपंच या सचिव होते है जो सामान्य या अन्य वर्ग के होते है जो भाई भतीजावाद के आधार पर सरपंच को गुमराह कर शासन की राशि पर पलीता लगाते रहते है? शासन को उक्त समस्त योजनाओं की पुनः खोज खबर लेनी होगी ताकि प्रदेश सरकार को अपनी महत्ता के साथ साथ अपनी ही पार्टी के पंचायत स्तर पर बैठे जनप्रतिनिधियों की पंचायतों की जांच करना जरूरी है, क्योंकि देखा जाता है कि अक्सर पार्टी के लोग ही अपने नेता को मलाई खाने के चक्कर में बर्बाद कर देते है? जबकि इसमें बड़े नेता का कही कोई दोष नही होता है, मगर अपने ही चम्मचों के कारण कढ़ाई को परेशानी झेलनी पड़ती है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं नजूल अधिकारी गाडरवारा, जिला - नरसिंहपुर (म. प्र.)
अनुविभागीय कार्यालय, तहसील परिसर गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर 487551 फोन नं. 07791-255732,
E-mail:- sdmgadarwara121@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक- 0025 अ-20 (4)
वर्ष :- 2025-26 के तहत जारी

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकद्वय विनोदकुमार, संतोषकुमार पिस स्व. लक्ष्मण प्रसाद नीखरा, दोनों निवासी इन्द्रा वार्ड, गाडरवारा के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि नजूल नगर गाडरवारा स्थित स्थाई पट्टे की भूमि शीट क्रमांक 6 प्लाट क्रमांक 33 क्षेत्रफल 1185 वर्गफुट में से 1072.5 वर्गफुट भूमि, आवेदकों के पिता द्वारा आवेदको की नाबालिग अवस्था में आवेदकों के संयुक्त नाम से पंजीकृत बैनामा दिनांक 24.03.1969 के माध्यम से विक्रेतागण हरीराम वल्द डालचंद एवं बैजंती बाई पुत्री डालचन्द विश्नोई से विधिवत क्रय की गई थी, जिस पर वे निर्विघ्न रूप से काबिज चले आ रहे है। पंजीकृत बैनामा दिनांक 24.03.1969 के आधार पर आवेदकों के नाम, उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेखों में नियमानुसार दर्ज किये जावें। अपने आवेदन पत्र के साथ 100 रुपए का आवेदन शुल्क का चालान, आवेदक संतोष कुमार का शपथपत्र, बैनामा एवं नजूल खसरा की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत की गई है। उक्त आवेदन के आधार पर मेरे न्यायालय में प्रकरण संस्थित किया जाकर विचारण में लिया गया है। उपरोक्त के सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति अथवा दावे प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई दिनांक 17.11.2025 को मेरे समक्ष स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से विधिवत लिखित रूप से दावा / आपत्ति पुष्टि के दस्तावेजों सहित दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 24.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।
जारी दिनांक- 24.10.2025
सुनवाई दिनांक - 17.11.2025

शील
अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) एवं नजूल अधिकारी गाडरवारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं नजूल अधिकारी गाडरवारा, जिला - नरसिंहपुर (म. प्र.)
अनुविभागीय कार्यालय, तहसील परिसर गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर 487551 फोन नं. 07791-255732,
E-mail:- sdmgadarwara121@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक- 0022 अ-20 (4)
वर्ष :- 2025-26 के तहत जारी

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकद्वय श्रीमती शशि पत्नी विनोद कुमार नीखरा एवं श्रीमती सुषमा पत्नी संतोष कुमार नीखरा दोनों निवासी - इन्द्रा वार्ड, गाडरवारा के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि नजूल नगर गाडरवारा स्थित स्थाई पट्टे की भूमि शीट क्रमांक 12 प्लाट क्रमांक 9 क्षेत्रफल 1728 वर्गफुट दिनांक 30.09.1991 को पंजीकृत बैनामा के माध्यम से विक्रेतागण बैनी प्रसाद आ. दरबारीलाल नाई, गोपाल प्रसाद, शारदा प्रसाद, मधुसूदन, प्रतापचन्द पिस. ग्यारसी प्रसाद नाई निवासी - आजादवार्ड, गाडरवारा से विधिवत क्रय कर कब्जा दखल प्राप्त कर लिया है। दिनांक 30.09.1991 को पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण का नाम, उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेखों में नियमानुसार दर्ज किया जावें। अपने आवेदन पत्र के साथ 100 रुपए का आवेदन शुल्क का चालान, श्रीमती सुषमा नीखरा का शपथपत्र, बैनामा एवं नजूल मेंटनेंस खसरा की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत की गई है। उक्त आवेदन के आधार पर मेरे न्यायालय में प्रकरण संस्थित किया जाकार विचारण में लिया गया है। उपरोक्त के सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति अथवा दावे प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई दिनांक 17.11.2025 को मेरे समक्ष स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से विधिवत लिखित रूप से दावा / आपत्ति पुष्टि के दस्तावेजों सहित दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 24.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।
जारी दिनांक- 24.10.2025
सुनवाई दिनांक - 17.11.2025

शील
अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) एवं नजूल अधिकारी गाडरवारा

खबर संक्षेप

परिवहन विभाग ने की कार्यवाही

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में 29 अक्टूबर 2025 को परिवहन विभाग द्वारा बसस्टेंड, गाड़ासरई रोड एवं अन्य स्थानों पर वाहन चेकिंग की कार्यवाही की गई। इस दौरान नियम विरुद्ध संचालित वाहनों पर कार्यवाही करते हुए कुल 13 वाहनों से 8 हजार 500 रूपए का राजस्व प्राप्त किया गया। चेकिंग के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, लाइसेंस, नंबर प्लेट आदि की जांच की गई। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन संचालन करने के निर्देश दिए गए, श्री सुरेन्द्र सिंह गौतम एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाही की गई।

शाहपुरा स्नातक महाविद्यालय में तनाव प्रबन्धन हेतु ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित

शहपुरा । विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव को ध्यान में रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. द्वारा "तनाव प्रबंधन हेतु आंतरिक शक्ति को बढ़ाना" विषय पर दिनांक 29.10.2025 को दोपहर 2 बजे से ऑनलाइन प्रेरणा सत्र आयोजित किया गया । जिसमें डॉ शिव कुमार राय , फाउंडर एंड चेयरमैन फोर्थ वॉयस मीडिया नेटवर्क , न्यू दिल्ली के द्वारा वक्तव्य दिया गया जिसमें उन्होंने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को कैसे तनाव से मुक्त रह सकते हैं को बहुत ही रोचक तरीके से जानकारी प्रदान की। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति पूरे मनोयोग से प्रदान की। कार्यक्रम को सफल बनाने मे शासकीय स्नातक महाविद्यालय शाहपुरा के प्राचार्य सी एस परस्ते, वरिष्ठ प्रा. एस बी उरैती, प्रा कविता धुर्वे, स्पोर्ट ऑफिसर डॉ. नेहा तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष सी. पी भानुवंशी, डॉ. किरण सिंह,डॉ स्मिता, डॉ राकेश साहू,डॉ आसफ , डॉ लीना, डॉ अंजनी कुमार तिवारी, राजदीप यादव डॉ. पारुल , पंकज झरिया, अजय श्रीवास्तव,महेंद्र सिंह सैयाम एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे ।

जिओ नेटवर्क की धीमी रफ्तार से ग्राहक परेशान, महंगे रिचार्ज ने बढ़ाई मुश्किलें

शहपुरा। डिंडोरी जिला के शहपुरा क्षेत्र में जिओ टेलीकॉम कंपनी का नेटवर्क पिछले कुछ दिनों से धीमी गति से चल रहा है, जिससे उपभोक्ता काफी परेशान हैं। कॉल ड्रॉप, इंटरनेट स्लो और नेटवर्क फेल जैसी समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं।ग्राहकों का कहना है कि कंपनी के नेटवर्क सुधार के वादों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। खासकर इंटरनेट स्पीड इतनी कम है कि ऑनलाइन काम, बैंकिंग ट्रांजेक्शन और वीडियो कॉल जैसी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इधर, जिओ कंपनी के रिचार्ज प्लान लगातार महंगे होते जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। ग्राहकों का कहना है कि महंगे रिचार्ज के बावजूद उन्हें सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिससे वे अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। ग्राहकों ने कंपनी से जल्द से जल्द नेटवर्क सुधार की मांग की है ताकि संचार सेवाएं सुचारू रूप से बहाल हो सकें।

शिविर में अव्यवस्थाएं रही हावी, विधायक ने जताई नाराजगी

कागज़ों में बंटी ट्राईसाइकिलें, हकीकत में खाली हाथ

डिंडौरी। जिले में सामाजिक न्याय विभाग दिव्यांगों के साथ न्याय कर पाने में नाकाम साबित हो रहा है। स्थिति यह है कि दिव्यांगों को शासन से मुहैया होने वाले उपकरण, सामग्री और पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। विभाग कागजों में उपकरण वितरण दिखा कर खुद की पीठ थपथपा रहा है। जबकि हकीकत इससे परे है। इस बावद विधायक ओमकार मरकाम ने भी विभागीय कार्यप्रणाली पर भी ऐतराज जताया है। शिविर के दौरान ऐसा ही एक मामला बुधवार को जिला अस्पताल में आयोजित जन कल्याण सह स्वास्थ्य शिविर में सामने आया है। जहां कुंडा निवासी शंकर कोल अपने पुत्र अशोक उम्र 12 साल के साथ पहुंचे थे। उन्होंने बतलाया कि उनका पुत्र अशोक पैरों से दिव्यांग है जिसको अभी भी ट्राई साइकिल ओर दिव्यांग पेंशन नहीं मिल पाया है। इस बावद जब उसने विभाग से संपर्क किया तो शंकर को बतलाया गया कि तीन साल पहले मेरे पुत्र अशोक के नाम से ट्राई साइकिल वितरण हो चुकी है, जिसकी एंट्री भी है। जबकि शंकर का कहना है कि पुत्र अशोक को कोई भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला है। इसी तरह दिव्यांग नेमी तेकाम की मा ता अं बि का निवासी ईमलई ने बतलाया कि उसकी बेटी भी पिछले आठ साल से दिव्यांग पेंशन के लाभ से वंचित है। षिविर में कुंडा निवासी धन सिंह वनवासी अपनी दिव्यांग बेटी राजवती उम्र 14 साल को दिव्यांग सहायता दिलाने भटकते मिले। वहीं छिवली निवासी दिव्यांग अमर सिंह तेकाम 32 साल भी बैटरी चलित ट्राईसाईकिल हेतु पिछले लंबे समय से भटकते देखे गये।

अव्यवस्था से नाराज विधायक

दिव्यांगों को आ रही समस्याओं पर डिंडौरी विधायक ओमकार मरकाम ने नाराजगी जताई और बोले कि बार-बार बुलाना गलत है, विभागीय अधिकारियों को योजना क्रियान्वयन में सुधार के निर्देश दिए । इस दौरान शिविर में व रि ष्ठ अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर भी विधायक ने नाराजगी दिखाई। जिसके बाद आनन फानन में अधिकारी शिविर में पहुंचे और दिव्यांगों की सुध ली गई। शिविर में अव्यवस्थाएं इतनी हावी थी कि दिव्यांगों एवं अन्य हितग्राहियों के लिए पेयजल की व्यवस्था भी नहीं की गई।

कुर्सियों पर जमे रहे कर्मचारी, जमीन पर बैठे दिव्यांग

शिविर में सरकारी महकमे का अमानवीय चेहरा भी सामने आया है। शिविर में पहुंचे दिव्यांग जमीन पर बैठने को मजबूर रहे जबकि सरकारी कर्मचारी ने कुर्सियों पर कब्जा जमाये रखा। इस बावद विधायक की नाराजगी के बाद दिव्यांगों को कुर्सी नसीब हुई। गौरतलब है कि जिला चिकित्सालय परिसर में जिन दिव्यांगों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था उन्हें ही अव्यवस्था का शिकार होना पडा।

बिजोरी पंचायत के चरगांव बंजर टोला में पेयजल संकट

पंचायत की लापरवाही से ग्रामीण गंदा पानी पीने को मजबूर

डिंडोरी (शहपुरा) - डिंडोरी जिले के शहपुरा जनपद की ग्राम पंचायत बिजोरी के पोषक ग्राम चरगांव बंजर टोला में इन दिनों पेयजल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सचिव और सरपंच की लापरवाही के कारण गांव में महीनों से नल-जल योजना के अंतर्गत पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है, जिससे ग्रामीणों को झिरिया और पुराने हैंडपंप से गंदा पानी लाकर पीना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना का लाभ आज तक उन्हें नहीं मिल पाया। कई बार पंचायत स्तर पर शिकायत करने के बावजूद किसी ने समस्या का संज्ञान नहीं लिया। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि "हम लोग पिछले एक साल से गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। कई बार पंचायत सचिव और सरपंच से कहा गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला — कार्रवाई कभी नहीं हुई। बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियां फैल रही हैं।" पेयजल समस्या से परेशान ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही गांव में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा के लिए जब ग्रामीणों को इस तरह संघर्ष करना पड़े, तो यह न केवल पंचायत की लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक कार्रवाई करता है और चरगांव बंजर टोला के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल कब तक नसीब होता है।

दुल्लोंपुर पंचायत से हुआ भाजपा जिलाध्यक्ष के कार्यक्रम में गाड़ियों का भुगतान

राजनैतिक यात्राओं का खर्च, पंचायत ने प्रशासनिक खर्च बताया

डिंडोरी। बजाग जनपद अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की राशि मनमाने ढंग से खर्च किए जाने के कई मामले चर्चाओं में रहे है पर उन पर नियमानुसार कोई कार्यवाही न होने से अधिकांश ग्राम पंचायतों में वित्तीय अराजकता व्याप्त है जिस पर जनपद के अधिकारी बेबस से होकर बैठे है।सरपंच और सचिव भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों पर प्रशासनिक कार्यवाहियों से बचने नेताओं की चापलूसी और चाकरी भर नहीं कर रहे है बल्कि शासन द्वारा विकास कार्यों के लिए आने वाली शासकीय राशि भी राजनीतिक गतिविधियों पर खर्च की जा रही है। आगे इन्हें अपने इन राजनीतिक आकाओं से संरक्षण मिल पाएगा या नहीं यह देखना होगा। बजाग जनपदपंचायत की ग्राम पंचायत दुल्लोंपुर के द्वारा पंचायत के प्रशासनिक खर्च बताकर 15 वा वित्त की राशि से 9/4/2024 को एक ही दिन में टैक्सियों से तफरी के नाम पर 15500 रुपए का भुगतान विजय ट्रेवल्स के नाम पर किसी विजय रजक

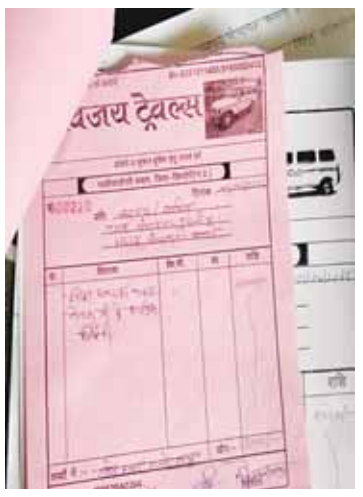

को किया। जिसमें फर्म के बिलों की फोटो कॉपी भी बिल बनाकर लगा दिए गए। बिल क्रमांक 199 राशि 6000, बिल क्रमांक 221 राशि 3500, 219 राशि 3000, बिल क्रमांक 220 राशि 3000 कुल 15500 का भुगतान विजय ट्रेवल्स को किया गया बिलों में दिए गए विवरण में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पलकी शाहपुर, डिंडोरी, और भाजपा जिला अध्यक्ष के कार्यक्रम में जाने के लिया वाहनों के उपयोग का विवरण दर्शाया गया है। एक बिल के विवरण में प्रशासकीय व्यय दर्शाकर भुगतान किया गया है। ग्राम पंचायत की शासकीय राशि को यू तफरीह पर उड़ाने और किसी पार्टी संगठन के आयोजन में शामिल होने पंचायत की राशि को व्यय करना कितना सही है इसका निर्णय जिला पंचायत के सक्षम अधिकारी पर निर्भर है। किंतु इस तरह की गतिविधियों पर विकास कार्यों की राशि का दुरुपयोग करने कार्यवाही नहीं होने से पंचायतों द्वारा वित्तीय अनियमितता और मनमानी व्यय करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी अतः सीईओ जिला पंचायत से जनपेक्षा है कि उक्त भुगतानों की जांच सक्षम अधिकारी से करवाकर दोषी ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों पर कार्यवाही की जावे। इस संबंध में पंचायत सचिव से सवाल करने पर वो इसे कोई गलती मानने तैयार ही नहीं है। जबकि स्पष्ट है कि शासकीय धन का उनके द्वारा दुरुपयोग किया गया है जो कि नियम विरुद्ध है।

नगर पंचायत ने मामले को रफा दफा करने को लेकर शिकायतकर्ता को जारी किया नोटिस

नगर पंचायत की मिलीभगत से आदिवासी भूमि पर कब्जे की साजिश?

डिंडौरी। महिला ने आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन को लिखित आवदेन में उल्लेख किया है कि शहपुरा भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद पर सत्ता और पद का दुरुपयोग करते हुए शासकीय भूमि पर कब्जा बताते हुए अपने मां सियाबाई पति शिवदास चक्रवर्ती के नाम नगर पंचायत के राजस्व रिकॉर्ड में जुड़वाने का प्रयास कर रहा है। मंगलवार जनसुनवाई में रज्जो बाई पति वीरेंद्र चक्रवर्ती शहपुरा निवासी ने भाजपा मंडल अध्यक्ष पर पद का दुरुपयोग लगाते हुए आदिवासी के भूमि पर कब्जा बताते हुए नामांतरण को लेकर गंभीर आरोप लगाए । भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद जिस समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं उसी समाज को शोषण कर रहे हैं ।

मामले को रफा दफा करने को लेकर पीड़ित महिला को नगर पंचायत ने नोटिस किया जारी

पीड़ित महिला रज्जो बाई सिस्टम के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है लेकिन नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नोटिस जारी करते हुए अवगत कराया है कि मंडल अध्यक्ष की माता के नाम पर कोई आवेदन नहीं आया आपकी शिकायत निराधार है कुल मिलाकर नगर पंचायत कृत्य को छुपाने का काम कर रहे हैं। नगर परिषद कार्यालय के उक्त कृत्य से सरकारी काम काज की प्रक्रिया विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। वही जब इस संबंध में वर्तमान सीएमओ रीना राठौर से सम्पर्क किया गया तो सम्पर्क नही हो सका।

इनका कहना है-

मेरे पास नाम दर्ज को लेकर प्रकरण आया था लेकिन विवादित होने के कारण मैंने नाम दर्ज नहीं किया ।

विकेश कुमार (तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहपुरा)

जनपद सदस्यों ने विधायक और जनपद अध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

शहपुरा डिण्डौरी। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में एक के बाद एक त्यागपत्रों से हलचल मच गई है। शहपुरा जनपद पंचायत के कई वरिष्ठ व सक्रिय सदस्यों ने सामूहिक रूप से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी संगठनात्मक दायित्वों से त्यागपत्र दे दिया है।यह त्यागपत्र प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, भोपाल को संबोधित करते हुए भेजा गया है।सामूहिक रूप से त्यागपत्र देने वालों में जितेन्द्र चंदेल, जिलाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा डिंडौरी, शक्ति केंद्र प्रभारी (पड़रिया कला) एवं वर्तमान उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत शहपुरा, देवीदीन झारिया, शक्ति केंद्र प्रभारी (गुरैया) एवं जनपद सदस्य, सरोज परस्ते, पूर्व सरपंच एवं वर्तमान जनपद सदस्य, देवकरण परस्ते, पूर्व सरपंच एवं वर्तमान जनपद सदस्य, तथामोतीबाई तेकाम, जनपद सदस्य शामिल हैं।इन सभी ने अपने त्यागपत्र में संगठन के भीतर बढ़ते असंतोष, उपेक्षा और विधायक तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष के मनमाने रवैये को प्रमुख कारण बताया है।

विधायक और जनपद अध्यक्ष पर आरोप

त्यागपत्र में सदस्यों ने विधायक ओमप्रकाश धुर्वे एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मो की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं।सदस्यों का कहना है कि दोनों की सांठगांठ और निजी स्वार्थपूर्ण राजनीति के कारण पार्टी की साख को गहरा नुकसान हो रहा है।

जनपद अध्यक्ष की मनमानी और पक्षपातपूर्ण रवैये से अधिकांश भाजपा समर्थित जनपद सदस्य असंतुष्ट हैं।सदस्यों ने बताया कि इसी असंतोष के चलते उन्होंने अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया था।त्यागपत्र में यह भी उल्लेख है कि श्रीमती प्रियंका आर्मो पूर्व में भाजपा की सदस्य नहीं थीं, लेकिन अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी में शामिल हुईं और अब अपनी मनमानीपूर्ण कार्यशैली से संगठन की छवि को नुकसान पहुँचा रही हैं।सदस्यों ने कहा है कि वे वर्षों से संगठन में सक्रिय रहकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पार्टी को अधिकतम समर्थन दिलाने के लिए बूथ स्तर तक कार्य करते रहे।इसके बावजूद, विधायक और जनपद अध्यक्ष के हस्तक्षेप के चलते निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है।उन्होंने कहा कि हमने संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम किया, पर अब हमारे जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं बचा है।

टेकेश्वर साहू का भी इस्तीफा

इसी क्रम में, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष, पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष शहपुरा एवं वर्तमान जनपद सदस्य टेकेश्वर साहू ने भी बीते कल पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था।उन्होंने अपने पत्र में विधायक और जनपद अध्यक्ष की कार्यशैली को लेकर गंभीर नाराज़गी व्यक्त की थी।टेकेश्वर साहू के त्यागपत्र के ठीक अगले ही दिन अन्य जनपद सदस्यों का सामूहिक इस्तीफा सामने आना, स्थानीय भाजपा संगठन के भीतर चल रहे आंतरिक असंतोष और खींचतान की पुष्टि करता है।इन त्यागपत्रों के बाद शहपुरा क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी के भीतर हो रहे ये सामूहिक त्यागपत्र संगठन के लिए बड़ा संकेत हैं और आने वाले समय में इसके व्यापक राजनीतिक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने इस घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कछारी पंचायत में प्रभारी सचिव पर गंभीर आरोप, नए सचिव को प्रभार नहीं सौंप रहे

शहपुरा। डिंडोरी जिला के शहपुरा जनपद क्षेत्र ग्राम पंचायत कछारी एक बार फिर विवादों में है। पंचायत के प्रभारी सचिव वीरशाह उलाड़ी पर भ्रष्टाचार छुपाने और दस्तावेजों की लीपा-पोती के आरोपों के बाद अब एक और गंभीर मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि शासन द्वारा सेम सिंह को कछारी पंचायत का नया सचिव नियुक्त करने का आदेश जारी कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद पूर्व प्रभारी सचिव वीरशाह उलाड़ी प्रभार हस्तांतरित करने में आनाकानी कर रहे हैं।सूत्रों के अनुसार, सेम सिंह को पंचायत का विधिवत प्रभार सौंपे जाने का आदेश मिलने के बावजूद पुराने सचिव द्वारा न तो आवश्यक दस्तावेज दिए जा रहे हैं और न ही कार्यभार सौंपा जा रहा है। इससे पंचायत के प्रशासनिक कामकाज पर असर पड़ रहा है और कई जरूरी योजनाओं की फाइलें अटक गई हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यह टालमटोल रवैया इस बात की ओर इशारा करता है कि कहीं न कहीं दस्तावेजों में गड़बड़ी और

अनियमितताओं को छुपाने की कोशिश की जा रही है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर जांच कराने की मांग की है।ग्रामीणों ने यह मांग की है कि प्रशासन पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए प्रभार हस्तांतरण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराए और जिम्मेदार अधिकारियों पर उचित कार्रवाई करे।

इनका कहना है

मुझे जिला पंचायत से ग्राम पंचायत कछारी में प्रभार लेने के लिए आदेशित तो कर दिया गया है लेकिन दस्तावेज पूर्व सचिव वीरसाह उलाड़ी द्वारा मुझे नहीं दिया जा रहा है और मेरा फोन भी रिसीव नहीं कर रहा है।

सेम सिंह (सचिव) ग्राम पंचायत कछारी

शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय में उमंग हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी । शासकीय पीएम श्री चंद्रविजय महाविद्यालय में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डे एवं जिला नोडल अधिकारी (आरकेएसके) व डीएचओ-2 डॉ. जयश्री मरावी के मार्गदर्शन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं स्क्रीनिंग जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन महाविद्याल प्राचार्य डॉ. एस. के. दुबे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ईश्वर चंद्र परणा के द्वारा किया गया। प्रो. ईश्वर चंद्र परणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि परोपकार ही परम धर्म है एवं ईश्वर उपासना है। परोपकार करने से हमें आंतरिक खुशी की प्राप्ति होती है। कार्यशाला में जिला सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मनोज उरैती ने एनीमिया स्क्रीनिंग एवं सिकल सेल के लक्षण एवं समस्याएं के बारे में सभी को अवगत कराया गया कि यह एक वंशानुगत बीमारी है इसको रोकने के लिए जिस तरह हम शादी के समय कुंडली मिलते है उसी तरह सिकल सेल की रिपोर्ट भी शादी से पूर्व मिलना चाहिए तथा फिजिकल एक्टिविटी योग व्यायाम के बारे विस्तारपूर्वक चर्चा किया गया। उन्होंने सिकल सेल के उपचार के बारे में सभी विद्यार्थियों को बताया। कार्यशाला में सभी का विद्यार्थियों के स्क्रीनिंग किए गए। वहीं महाविद्यालय के उमंग हेल्थ एंड वेलनेस नोडल अधिकारी डॉ. अमीर खान ने बताया कि स्वास्थ्य के प्रति हर व्यक्ति को जागरूक रहना चाहिए। क्योंकि, पूरे जीवन काल में व्यक्ति कभी न कभी बीमार होता है, कही न कही हम सबको स्वास्थ्य सेवाओ की आवश्यकता होती है। इसलिए स्वास्थ्य से जुड़ी इस कार्यशाला की महत्वता की समझिए और कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यार्थी अपना योगदान दे। जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक श्री ओम प्रकाश उरैती ने उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम की गतिविधियों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने उमंग युवा शक्ति मिशन कार्यक्रम - 2024 के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में परामर्शदाता नविता पटेल ने उमंग स्वास्थ्य क्लीनिक के अंतर्गत प्रदाय किए जाने वाले 14 प्रकार सेवाएं की विस्तारपूर्वक जानकारी से विद्यार्थियों से साझा की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पोषण के बारे विस्तारपूर्वक बताया, साथ ही मनहित एप्प की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 तथा उमंग हेल्प लाइन नंबर 14425 एवं जस्ट आस्क चैट बोट के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यशाला में आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषिकेश सिंह, डॉ हर्षवर्धन सिंह, डॉ त्रिवेणी धुर्वे एवं सीएचओ जानकी चंद्रा, पूजा द्विवेदी के द्वारा छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। परामर्शदाता नेहा पटेल, गौरी शंकर बर्मन, मास्टर ट्रेनर प्रशांत बनवासी सुप्रिया चंदेल एवं तरुण का विशेष सहयोग रहा ।

खबर संक्षेप

ब्लैकमेलिंग मामले की जांच करेगी एसआईटी

नरसिंहपुर। जिले के करेली व कोतवाली थाने में नगर के तीन मीडियाकर्मियों के विरुद्ध ब्लैकमेलिंग की शिकायत हुई थी। इस मामले में बढ़ते विरोध को देखते हुए प्रकरण की जांच स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम यानी एसआईटी से कराई जाएगी। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने दी है। ज्ञात हो कि शहर के तीन मीडियाकर्मियों पर दर्ज कथित ब्लैकमेलिंग के केस के विरोध में बीते मंगलवार को जिले के पत्रकारों ने विरोध जताया था। राज्यपाल के नाम उन्होंने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया था।

नसबंदी शिविर की तिथि निर्धारित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत 14 व 28 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालीचैका, 7 व 21 नवंबर को पीएचसी चीचली, 16 नवंबर को पीएचसी शाहपुर, 6, 9 व 20 नवंबर को सिविल अस्पताल गाडरवारा, 13 व 27 नवंबर को सीएचसी सांईखेड़ा, 8 व 29 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदूखेड़ा, 22 नवंबर को सिविल अस्पताल गाडरवारा, 1 नवंबर को सीएचसी रौसरा, 23 नवंबर को सिविल अस्पताल करेली और 1, 8, 22 व 29 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव में नसबंदी के लिए शिविर लगाए जाएंगे।

डिप्टी कलेक्टर को उप जिला निर्वाचन अधिकारी का प्रभार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अस्थायी तौर पर आगामी आदेश तक डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर श्रीमती देवंती परते को अपने कार्य के साथ- साथ उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन का प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन नरसिंहपुर श्रीमती अंजली शाह का स्थानांतरण सिवनी जिले में हो जाने के कारण डिप्टी कलेक्टर श्रीमती परते को यह प्रभार सौंपा गया है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के गृह विभाग के निर्देशानुसार 31 अक्टूबर 2025 को लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पुलिस स्टेशन स्तर से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विविध गतिविधियां कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें

सड़क मार्गों के किनारे लग रही मांस की दुकानें

तेंदूखेड़ा । कुछ माह पहले तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों और मुख्य सड़क मार्गों पर लग रही खुलें में मांस की दुकानें हटाये जाने के आदेश दिए गए थे। कुछ समय तो उक्त दुकानें बंद रहीं नेट लगाकर चलतीं रहीं। लेकिन अब उक्त दुकानें खुलेआम चलने लगीं हैं। वहीं तेंदूखेड़ा में अलग से शेड बनाकर दुकानों को जगह दी गई है। और कुछ समय तक लगतीं भी रहीं हैं लेकिन अब उक्त मांस की दुकानें मुख्य सड़क मार्गों पर खुलेआम लगने से जहां गंदगी पूर्ण माहौल बनने लगा है वहीं धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचाया जा रहा है। वहीं शेड में दुकानें लगा रहे दुकान दारों ने भी आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया है कि हम लोग परेशान बनें हुए हैं। बाहर दुकानें लगने से ग्राहक वहां तक पहुंच ही नहीं पाता है। उन्होंने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से उक्त दुकानें भीतर निर्धारित शेडों में लगाये जाने चाहिए।साथ ही मुख्य मार्गों पर लग रही दुकानों के कारण यहां पर कुत्ते पक्षी मंडराते रहते हैं। दुकानों के सामने बाहन खड़े होने के कारण आये दिन दुर्घटनायें भी घटित हो चुकी है। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 11 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती सुनीता यादव ने बताया कि खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा भारत सरकार के निर्देशानुसार 29वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026 का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारतमण्डपम में किया जाएगा। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

खबर के बाद जागा प्रशासन हुई कार्रवाई

रिलीव कर वन कर्मियों को दिए पदस्थापना के निर्देश

खबर का असर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बीते दिनों सरकार द्वारा लंबे समय से पदस्थ वनकर्मियों को स्थानांतरण माह जून में किया गया था लेकिन वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा वनकर्मियों को भारमुक्त नही किया गया था तथा स्थानांतरण आदेश को धता दिखाया जा रहा था जिसे लेकर हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा गंभीरता के साथ समाचार प्रकाशित किया गया था जिस पर कार्रवाई करते हुए संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा अधिनस्थ कर्मचारियों को भारमुक्त कर नवीन पदस्थाना पर कार्यपालन हेतु आदेशित किया गया। प्रशासन को चाहिए कि चार माह तक आदेश का पालन ना करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों की जांच कर ठोस कार्रवाई की जावे।

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com

Jabalpur Narmada Bhoomi - 27 Oct 2025 - Page 4

स्थानांतरण आदेश का पालन नहीं कर रहा वन विभाग वित्तीय अनियमितता जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से जून माह वन विभाग के कर्मचारियों का प्रशासनिक दृष्टि से स्थानांतरण किए गए थे लेकिन जिले के कुछ वन परिक्षेत्र अधिकारियों के चहेते वन कर्मियों को स्थानांतरण होने के उपरांत भी नवीन पद स्थिति पर प्रभार लेने के लिए भारमुक्त नही किया गया। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार स्थानांतरित कर्मचारी का वेतन नवीन पद पदस्थापना वाले स्थान से भुगतान किया जाता है। लेकिन नवीन पदस्थापना नही लेने वाले कर्मचारियों को वेतन पुरानी पदस्थापना से दिया जा रहा है जो नियमों के विपरीत तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा की जाने वाली अनियमितता है। मुख्यतः नरसिंहपुर - गोटेगांव - बरमान वन परिक्षेत्र में भी ऐसे कुछ कर्मचारी है जो रेंजर के चहेते है और उनके हित के लिए रेंजरों द्वारा वित्तीय अनियमितता की जा रही है। जबकि उक्त संबंध मे वन मंडल अधिकारी द्वारा पत्र जारी कर स्थानांतरित कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना पर जाने के लिए वन परिक्षेत्र अधिकारियों को आदेशित [illegible]

इस प्रकार है मामला

सरकार द्वारा प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से जून माह वन विभाग के कर्मचारियों का प्रशासनिक दृष्टि से स्थानांतरण किए गए थे लेकिन जिले के कुछ वन परिक्षेत्र अधिकारियों के चहेते वन कर्मियों को स्थानांतरण होने के उपरांत भी नवीन पद स्थिति पर प्रभार लेने के लिए भारमुक्त नही किया गया था। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार स्थानांतरित कर्मचारी का वेतन नवीन पद पदस्थापना वाले स्थान से भुगतान किया जाना था। लेकिन नवीन पदस्थापना नही लेने वाले कर्मचारियों को वेतन पुरानी पदस्थापना से दिया जा रहा था। जो नियमों के विपरीत तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा की जाने वाली अनियमितता है। मुख्यतः नरसिंहपुर - गोटेगांव - बरमान वन परिक्षेत्र में भी ऐसे कुछ कर्मचारी है जो रेंजर के चहेते है और उनके हित के लिए रेंजरों द्वारा वित्तीय अनियमितता की जा रही थी।

वित्तीय अनियमित्ता की हो जांच

स्थानांतरण आदेश के अनुसार जिन वनकर्मियों का स्थानांतरण किया गया था उन्हे सात दिन के भीतर नवीन पदस्थापना पर पदग्रहण करना होता है। आदेश के एक सप्ताह बाद संबंधित कर्मचारी की वेतन नीवन पदस्थापना के आधार पर बनाई जाती है। लेकिन उक्त मामले मे वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा चहेते कर्मचारियों को भारमुक्त ना करते हुए उनकी वेतन पुरानी पदस्थापना से निकाली गई जो कि नियमों के पूरी तरह विपरीत है प्रशासन को चाहिए कि संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जावे जिससे इस प्रकार वित्तीय अनियमित्ता आगे ना हो सके।

डीएफओ के आदेश का नही हुआ पालन

उक्त संबंध को लेकर वन मंडल अधिकारी द्वारा उचित कार्रवाई के लिए संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों को पत्र के माध्यम से आदेशित किया गया था की स्थानांतरित कर्मियों को भारमुक्त किया जाए लेकिन वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा संबंधित कर्मचारियो को भारमुक्त नही किया गया और वित्तीय अनियमित्ता जारी की गई। संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा वन मंडल अधिकारी के आदेश को भी नजर अंदाज किया गया ऐसा कहा जा रहा है कि वन परिक्षेत्र अधिकारियों को वन मंडल अधिकारी के आदेश का कोई प्रभाव नही हुआ। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे वन परिक्षेत्र अधिकारियों की जांच कर ठोस कार्रवाई की जाए।

अधीक्षण अभियंता के निर्देश पर जांच दल ने किया ओचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस अधीक्षण अभियंता नरसिंहपुर वृत अमित चैहान के सख्त निर्देश हैं कि रबी फसल ओर गन्ना क्रेशर टीसी जांच दल ने औचक निरीक्षण किया। जिसके तहत नरसिंहपुर व्रत अंतर्गत डांगीढाना विद्युत वितरण केन्द्र में बुधवार को अधीक्षण अभियंता ओर कार्यपालन अभियंता के निर्देश पर डांगीढाना वितरण केन्द्र के गोरखपुर मुख्यालय के अन्तर्गत रबी फसल की सिंचाई हेतु चल रहे पंप की जांच की गई जिसमें 5 उपभोक्ताओं पर पंचनामा बनाने की कार्यवाही की गई ओर 6 नंबर पंप टीसी मौके पर लगभग 48 हजार रुपए की राशि मौके पर जमा करवाई गई और 7 नंबर पंप मोटर स्टेटर डोरी जप्त की कार्यवाही की गई। उपभोक्ताओं से अपील की गई कि भविष्य में वेध टीसी कनेक्शन करवाकर ही विद्युत पंप का उपयोग करें और अप्रिय कार्यवाही से बचे आगामी रबी फसल की सिंचाई को देखते हुए लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा और अटल ज्योति लाइन 24 घंटे निर्बाध सुचारू रूप से ओर कृषि पंप लाइन 10 घंटे देने के लिए ऊर्जा विभाग प्रतिबद्ध है।

मातृशक्ति का सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन तथा सरस्वती शिक्षा परिषद महाकोशल प्रांत जबलपुर की कार्ययोजनानुसार सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी मुख्य अतिथि श्रीमती यमुना विश्वकर्मा गीता परिवार व्यवस्थापक व शिक्षिका विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति तिवारी, अध्यक्ष लीनस क्लब मुख्य वक्ता श्रीमती भारती कौरव भारत विकास परिषद रीजनल सहभागिता प्रमुख एड. श्रीमती जया शर्मा सक्रिय समाज सेविका श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव जिला संयोजिका राष्ट्र सेविका समिति श्रीमती नमिता कौरव सह संयोजिका एवं मातृशक्ति की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय की दीदीयों ने तिलक वदंन, पुष्पमाला तथा तुलसी का पौधा भेंट कर किया गया। मंच संचालन श्रीमती सोमजया मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमती मिश्रा ने कुटुम्व प्रबोधन तथा श्रीमती शर्मा ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर प्रबोधन देते हुये नारी शक्ति द्वारा परिवर्तन व भूमिका का समाज जीवन में महत्व बताया। माता जीजा बाई, शिवाजी महाराज, दुर्गावती के वेश में सज्जित छात्राओं द्वारा उनके कथनों के माध्यम से देश भक्ति का संदेश दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती विश्वकर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती कोठारी अपने उद्बबोधन के माध्यम से नारी गुणो के गौरव की गाथाओं व समाज निर्माण में उनकी अहम भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अन्त में संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी ने मातृशक्ति के आयोजन के लिये माताओं की भावात्मक उपस्थिति व सफलता के लिये आभार ज्ञापित किया। राष्ट्र सेविका जिला संयोजिका एवं सह संयोजिका द्वारा राष्ट्र समाज सेवा के संकल्प की शपथ दिलाई गयी। उक्त कार्यक्रम में पूर्व छात्र, पूर्व आचार्या, अभिभावक मातृशक्ति प्राचार्य प्रधानाचार्य स्थानीय आचार्य की उपस्थिति रही।

स्क्रब टायफस संक्रमण की रोकथाम व बचाव हेतु दिशा निर्देश जारी

नरसिंहपुर।. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा ने स्क्रब टायफस बीमारी के संक्रमण, रोकथाम व बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्क्रब टायफस बीमारी नामक जीवाणु से होती है। यह जीवाणु रोडन्ट-चूहों के ऊपर रहने वाले घून के संक्रमित लार्वा में पाया जाता है। डपजम के संक्रमित बेपहहमत लार्वा के काटने के उपरांत मनुष्य में स्क्रब टायफस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, जोडोध एवं मांसपेशियों में दर्द, प्रकाश से असहनीयता (फोटोफोबिया), सुखी खांसी एक सप्ताह उपरांत शरीर (पेट, हाथ, पैर आदि) पर दाने (बिना पानी वाले दानेध डंबवचंचनसंत तैं), कुछ प्रकरणों में निमोनिया, मस्तिष्क ज्वर एवं हृदय सम्बंधी बीमारी प्रकट होती है। शरीर के जिस स्थानो पर लार्वा काटता है, उस स्थानों पर दाना उठता है, जो बाद में जख्म बनकर सूखने पर काला धब्बे के समान दिखने लगता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि संक्रमित घून (माईट) से बचाव हेतु अनिवार्यतः चिकित्सक सलाह के अनुसार ही शरीर पर लगाने वाले कीम-रिपलेंट, का उपयोग कर सकते है। नागरिक पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहन कर ही खेत, जंगल, झाड़ियों में जाएं। घास-फूस एवं झाड़ियों में नहीं बैठे और ना ही सोयें। घर के आस-पास घास-फूंस, झाडियों, कचरे की सफाई रखें। घर का अनाज सुरक्षित तरीके से रखें, जहाँ अनाज चूहों से सुरक्षित रह सके। शरीर को साबून से धोयें एवं मोटे कपड़े से रगड़कर सॉफ करे। शरीर पर अगरबत्ती, पतली लकड़ी, बीडी, सिगरेट से जले जैसे दिखने वाले चिन्ह (दाने), सिर दर्द, शरीर दर्द, जोड़ो एवं मांस पेशियों में दर्द, तेज बुखार एवं उल्टी-दस्त के लक्षण होने पर तत्काल नजदीक स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सक से सलाह लें और अपना उपचार कराएं। जूनोटिक बीमारी स्कब टायफस रोडन्ट- चूहों के द्वारा फैलती है। इसके लिए नागरिकों में बीमारी की रोकथाम एवं उपचार हेतु ग्राम स्तरीय कार्यकर्ताओं, कर्मचारियों व अधिकारीयों द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा दी जावे।

घटनाओं के बाबजूद सबक नहीं ले रहा बैंक प्रबंधन पार्किंग व्यवस्था ना होने से सड़कों पर लगता है जाम

तेंदूखेड़ा

इन दिनों पार्किंग व्यवस्था को लेकर विवादों की मुख्य बजह देखने को मिल रही है। जिला प्रशासन ने भी सुधार की दिशा में पार्किंग वाले क्षेत्रों में नोटिस भेजना शुरू किया है। तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय में भी कुछ सड़क मार्ग सड़कें चौड़ी बन जाने के बाद भी पार्किंग व्यवस्था और आवागमन में पीड़ा दायक बनें हुए हैं। तेंदूखेड़ा के पुराने बस स्टैंड से कृषि उपज मंडी तरफ जाने वाली सड़क मार्ग पर बैंकिंग क्षेत्र की संस्थाओं डाक्टरों की क्लीनिकें सोने चांदी और अनाज व्यापारियों की दुकानें बड़ी संख्या में हैं। लेकिन इस सड़क मार्ग पर आज स्थिति यह बनीं हुई है कि चौड़ी सड़क बन जाने के बाबजूद भी सड़क आज सकरी बनीं हुई है।मनचले तरीके से लोगों को बाहन खड़ा करके जाना सामने तरफ से आने वाले भारी वाहनों को बाहन निकालने में होने वाली परेशानी हाट टांक देखने को मिला करती है। ऊपर से मवेशियों का जमावड़ा कोड़ में खाज वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है।

बैंकों के सामने नहीं है पार्किंग व्यवस्था मंडी सड़क मार्ग पर मुख्य रूप से राष्ट्रीयकृत बैंकों की दो शाखाएं संचालित है लेकिन इनके सामने पार्किंग की कोई उचित व्यवस्था ना होने के कारण शाखाओं के बाजू से रहने वाले अन्य व्यापारी वर्ग रहवासी परेशान बनें हुए हैं।आये दिन बाहन खड़ा करने को लेकर कहासुनी होना अब आम बात हो गई है। बैंकों के प्रबंधनों को चाहिए कि अपने अपने व्यवसाय के चक्कर में दूसरे अन्य व्यापारी वर्ग परेशान ना हो।

नगर में नहीं है पार्किंग व्यवस्था तेंदूखेड़ा नगर में मुख्य रूप से पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। शनिवार के दिन लगने वाले साप्ताहिक बाजार या फिर प्रमुख डाक्टरों के क्लीनिकों के समीप मरीजों को लेकर आने वाले वाहनों को खड़ा करने की बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है।बाहन भी यहां वहां खड़े करने से उनकी सुरक्षा को लेकर बड़ी समस्या बनी हुई है। तेंदूखेड़ा के स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि इस दिशा में प्रमुखता से उचित व्यवस्था बनाई जाये।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री का स्थानीय साहू समाज ने किया भव्य स्वागत

गोटेगांव

बीते दिवस राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गिरीश साहू छिंदवाड़ा एवं मनीष साहू बंडोल का आगमन हुआ जहां स्थानीय साहू समाज उत्थान मंडल ने फूल माला साल श्रीफल तिलक रोरी से समाज के वरिष्ठ जनोद्वारा स्वागत किया गया एवं समाज को संगठित करने समाज में व्याप्त कुरीतियां जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की गई एवं गिरीश साहू ने कहां की तेली साहू महासंगठन को जिला के अंतिम छोर के व्यक्ति को जिले में जोड़ने एवं वर्तमान समय में विवाह में युवाओं एवं युवतियां एवं समय का अभाव के कारण विवाह जोड़ने में

परेशानी आ रही है उसके लिए परिचय पत्रिका उपकार में बायोडाटा देने के लिए कहा गया है गोटेगांव में अध्यक्ष भगवानदास साहू से संपर्क किया जा सकता है वैवाहिक पत्रिका आगामी दिसंबर में प्रकाशित होगी अंत में जिला अध्यक्ष बी डी साहू द्वारा आभार प्रकट किया गया i इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भगवान दास बीडी साहू सेवानिवृत्ति तहसील अध्यक्ष ग्रामीण त्रिभुवन साहू ओम प्रकाश साहू प्रदीप साहू पवन साहू खेमलाल साहू आशीष साहू मीडिया प्रभारी गुलाब साहू शिक्षक घनश्याम साहू सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

कलचुरी समाज महिला मंडल पदाधिकारी के द्वारा कार्यक्रम में भव्यता प्रदान करने के लिए घर-घर जाकर मातृशक्ति को निमंत्रण दिया जा रहा

गोटेगांव नरसिंहपुर

श्री सहस्त्रबाहु जयंती के उपलक्ष्य में कलचुरी समाज महिलाओ का अभूतपूर्व एवं अनूठा आयोजन,अखिल भारतीय कलचुरी महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह गोटेगांव में 31 अक्टूबर को, गोटेगाँव आगामी 31अक्टूबर को कलचुरी समाज के इष्ट देव भगवान श्री सहस्त्रबाहू जी के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक सुभाषचंद बोस स्टेडियम सभागार श्रीधाम गोटेगाँव जिला नरसिंहपुर में जिसमे श्रीमती अर्चना जायसवाल राष्ट्रीय संयोजक कलचुरी एकता महासंघ एवं श्रीमती मालती राय महापौर नगर निगम भोपाल के मुख्यातिथ्य श्रीमती सुमनलता पटैल डायरेक्टर मणि नागेंद्रसिंह फाउंडेशन स्कूल गोटेगाँव की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है स्मरण हो कि मध्य प्रदेश के इतिहास में जिला नरसिंहपुर मे पहली बार कलचुरी समाज द्वारा भव्य आयोजन किया जा रहा है उक्त आयोजन कलचुरी समाज को एक नई ऊंचाइयां एवं नित नई ऊर्जा का संचार करेगा जो की कलचुरी समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा गोटेगांव में महिला शक्ति द्वारा समूचे प्रदेश एवं जिला नरसिंहपुर सहित गोटेगांव में एवं आसपास के ग्रामों में भी घर-घर जाकर सहस्त्रबाहु जी की जयंती मनाने हेतु आमंत्रण दिया जा रहा है जिससे कार्यक्रम में भव्यता प्रदान होकार्यक्रम में कलचुरी समाज की महिला शक्ति द्वारा उपस्थिति की अपील की समस्त कलचुरी समाज महिला शक्ति से की गई है।

सहस्त्र भुजाधारी राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जी की जन्म जयंती गोटेगांव में धूमधाम से मनाई

गोटेगांव नरसिंहपुर

हैहय क्षत्रीय कलचुरी समाज के चक्रवर्ती संत सम्राट राजराजेश्वर श्री कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन जी के अवतरण दिवस की जयन्ती कार्तिक शुक्ल सप्तमी दिनांक 28/10/2025 दिन-मंगलवार को प्रातः 10 बजे श्रेया हॉटल में तहसील गोटेगाँव कल्चुरि समाज ने हर्षोल्लास से से मनाई। सर्व प्रथम आराध्य भगवान सहस्त्रबाहुजी के तैलचित्र का पूजन अर्चन किया समाज के वरिष्ठ जनों सहित समाज के अध्यक्ष राजेंद्र राय द्वारा दीप प्रज्जवलन माल्यार्पण किया। समाज की मातृशक्ति व युवाओं ने अधिक संख्या में उपस्थित होकर पूजन अर्चन में सक्रियता प्रदान की। *समाज के वरिष्ठ जनों को पुष्पमाला**तिलक लगाकर स्वागत अभिनन्दन किया* इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष 'अरुण राय ने अपने उद्‌बोधन में समाज में एकता, समाज के उत्थान में सहभागिता हेतु आव्हान किया। बद्रीप्रसाद चौकसे ने इस पावन अवसर पर शुभकामनाएँ देते हुए मातृशक्ति व युवाओं को समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निर्वाह करने हेतु तथा बुजुर्गों वां युवा समिति का गठन कर 31अक्टूबर 2025 में अखिल भारतीय महिला सम्मेलन में घोषणा की जावेगी।श्रीमती मनीषा रघुनाथ राय अध्यक्ष महिला मंडल द्वारा 31 अक्टूबर 2025 में आयोजित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के समस्त मातृशक्ति की उपस्थिति व सहयोग की अपील करते हुए

महिला सम्मेलन में व्यवस्थाओं मंच संचालन स्वागत सभी मातृशक्ति द्वारा ही किया जाएगा अतः मातृशक्ति की सहभागिता परम आवश्यक है इस शुभ अवसर पर मात्र शक्तियों की उपस्थिति पर आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं वा बधाई दीतहसील समाज के अध्यक्ष राजेन्द्र राय गिठ्ठल ने अपने संबोधन पर समाज को शुभकामना व 'वधाई देते देते हुए । भवन निर्माण के कार्य में आप तन मन धन से सहयोग करने, अखिल भारतीय महिला सम्मेलन में मातृ शक्ति की अधिक संख्या में उपस्थिति व सहयोग हेतु आग्रह किया। इस शुभ अवसर पर समाज के प्रत्येक घर पर रात्रि में ग्यारर दीप जलाने को आव्हान किया। आभार प्रदर्शन मनोज राय द्वारा किया गया सफल संचालन मनीष राय द्वारा किया गया।जयंती समारोह में प्रमुख रूप से गोरेलाल राय मानक लाल राय बिंद्राबन राय राजेंद्र राय होटल रामकुमार जायसवाल शंकर लाल राय नीरज चौकसे वीरेंद्र चौकसे दीपचंद चौकसे किशोरी चौकसे पप्पू चौकसे सेवक चौकसे सुरेश चौकसे राकेश चौकसे शारदानुज राय रघुनाथ राय अमित राय सहित वरिष्ठ जन मातृशक्ति मे पूर्व अध्यक्ष रितुराय श्रीमती कृष्णा राय पार्षदश्रीमती सीमा चौकसे श्रीमती मंजू राय श्रीमती वर्षा राय रितु राय निरुपमा राय आरती राय मोनिका राय सरोज राय श्रीमती दीपा राय एवंसमस्त युवा मंडल के पदाधिकारी व सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति उत्साह वर्धक रही